दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 252 | लखनऊ, सोमवार, 30 मार्च, 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

स्कूल आफ मैंनेजमेंट साइंसेज लखनऊ द्वारा छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन शिक्षण

डॉ0 भरत राज सिंह,
वरिष्ठ पर्यावरणविद व महानिदेशक (तकनीकी), स्कूल ओफमैंनेजमेंट साईंसेज, लखनऊ।

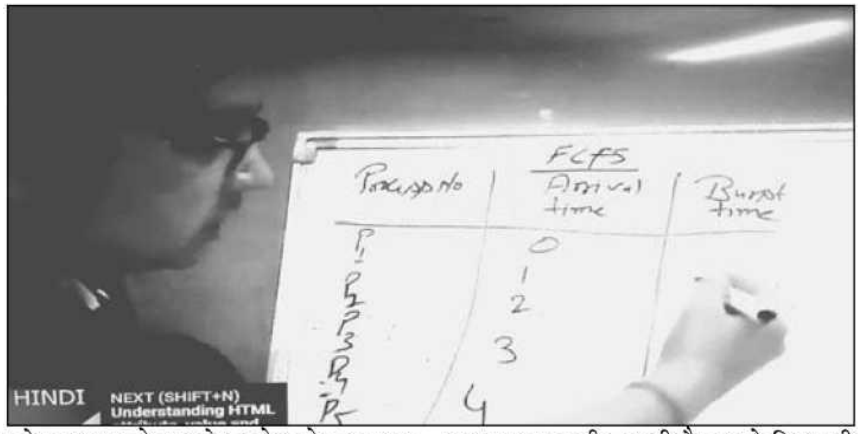

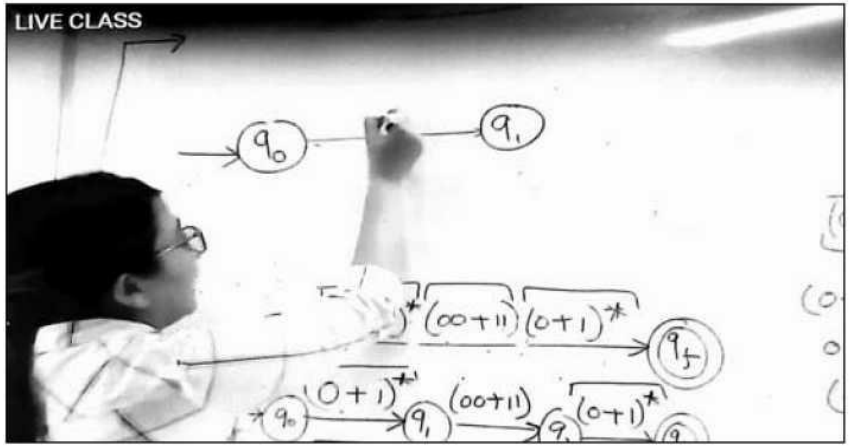

लखनऊ। श्री शरद सिंह सचिव व मुख्य.कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ द्वारा कोरोना संक्रमण के वैश्विक महामारी के रोक.थाम में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। कोरोना संक्रमण से बचने के लिये प्रधानमंत्री के 21. दिन के लाकडाउन के आह्वाहन तथा अब्दुल कलाम तकनीकी विश्व.विद्यालय के द्वारा दिये गये दिशा.निर्देशो के अनुसार वर्तमान शैक्षणिक सत्र का पठन.पाठन का कार्य आन.लाइन के माध्यम तथा वर्क टू होम द्वारा कराया जा रहा है।

प्रोफ भरत राज सिंह जो स्कूल आफमैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ कै महानिदेशक है ने बताया कि राष्ट्रहित व छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुये, सभी क्लासेज को समय सारिणी के अनुसार प्रत्येक अध्यापको द्वारा लेक्चर नोट को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से तथा यूटूब से सीधे लेक्चर प्रसारण (वीडीओ) से कराया जा रहा है। जिसकी मानिटरिंग डा.सिंह स्वयं तथा डीनए डा.धर्मेन्द्र सिह द्वारा किया जा रहा हैं। इनका मानना है कि शिक्षक बच्चों को कुम्हार की भाँति गढ़ता है और वांछित स्वरूप प्रदान करता है। इसलिये गुरू के दायित्व के निर्वहन में सभी शिक्षकों सें बेहतर लेक्चर तरीके से तैयार कराया जा रहा है। शिक्षा बिना बोझ के हो। अतः शिक्षकों की तैयारी गुणवत्ता परख की जा रही हैए इससे शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार उसकी प्रासंगिकता बनी रहेगी। इन कार्यक्रमों में छात्रों में स्व.शिक्षण और स्वतंत्र चिंतन की क्षमता के विकास तथा बच्चे में जिज्ञासा को बनाए रखने हेतु भी जोर दिया जा रहा हेए जिससे उन्हें अपने विचार रखने का अवसर भी प्रदान हो। आज की वैश्विक महामारी की जटिल परिस्थितियों मेंए शिक्षकों की भूमिका कहीं अधिक उत्तरदायित्वपूर्ण व महत्वपूर्ण हो गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में, शिक्षक व शिक्षा को अधिक कारगर बनाने हेतु प्रबंधन द्वारा शिक्षकों को उत्साहित भी किया जा रहा है। इसमें अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय की भूमिका सराहनीय है, जिनके द्वारा अपेक्षित सामाजिक तथा मानवीय मूल्यों व चरित्र के विकास में समय-समय पर शिक्षण के तरीकों पर जोर देने हेतु दिशा-निर्देश दिये जा रहे है।

उपरोक्त क्रम मे, इंजीनियरिंग शिक्षा मे कई शिक्षकों द्वारा टूल्स का विशेष उपयोग किया जा रहां है, जिनके लेक्चर को विश्व विद्यालय के वेवसाइट पर लगवाने हेतु अनुरोध किया जा रहा हैं। अंत मे, यह कहना है कि किसी भी क्षेत्र मे सुधार की एक सतत प्रक्रिया है, अतः इंजीनियरिंग शिक्षण क्षेत्र मे रोजगारपरक बेहतर शिक्षा देने व योग्य इंजीनियर बनाने मे शिक्षक, प्रबंधन और विश्वविद्यालय के समन्वय व आधुनिकतम टूल्स उपलब्ध कराने की अधिक आवश्यकता है।